आर्थिक समस्याएँ (Economic Problem)

आर्थिक समस्या का तात्पर्य है कि किसी भी अर्थव्यवस्था के सीमित संसाधन मानव की सभी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकते, मानव की आवश्यकताएँ अनन्त हैं जबकि उनको पूरा करने के साधन सीमित हैं।

आर्थिक समस्या को ही मूलभूत आर्थिक समस्या भी कहते हैं।

आर्थिक समस्या की परिभाषाएँ

रॉबर्ट बॉड के अनुसार — "आर्थिक समस्या वह समस्या है जिसका संबंध चुनाव की इस आवश्यकता से है कि क्या, कैसे और किसके लिए उत्पादन करना है तथा आर्थिक प्रगति कैसे प्राप्त करनी है"।

लेफ्टविच के अनुसार — "आर्थिक समस्या का संबंध मनुष्य की वैकल्पिक आवश्यकताओं के लिए सीमित साधनों के वितरण तथा इन साधनों का अधिक से अधिक आवश्यकताओं की संतुष्टि के लिए प्रयोग करने से है"।

प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकताएँ असीमित है परन्तु उन्हें संतुष्ट

करने वाले अधिकतर साधन सीमित हैं एक अर्थव्यवस्था के लिए यह संभव नहीं है कि वह प्रत्येक नागरिक के लिए प्रत्येक वस्तु का उत्पादन ~~कर~~ सके क्योंकि किसी भी अर्थव्यवस्था के पास इतने अधिक साधन नहीं होते अतएव प्रत्येक अर्थव्यवस्था को यह चुनाव करना पड़ता है कि अर्थव्यवस्था के वैकल्पिक प्रयोग वाले साधनों जैसे भूमि, श्रम तथा पूंजी का किस प्रकार कुशलतापूर्वक प्रयोग किया जाए।

उदाहरण के लिए अर्थव्यवस्था को यह निर्णय लेना पड़ता है कि कितने साधनों का प्रयोग मक्खन के तथा कितने साधनों का प्रयोग बन्दूकों के उत्पादन के लिए किया जाए।

साधनों के विभिन्न उपयोगों में बंटवारे संबंधी इस समस्या को ही आर्थिक समस्या कहा जाता है।

अतः आर्थिक समस्या चुनाव की समस्या या साधनों के बचतपूर्ण प्रयोग की समस्या है यह ध्यान रखना चाहिए कि आर्थिक समस्या केवल वर्तमान साधनों के वितरण की समस्या ही नहीं वरन् भविष्य में उनके विकास की समस्या भी है।

Scanned with CamScanner

आर्थिक समस्या के कारण

① अनन्त मानवीय आवश्यकताएँ
② सीमित या दुर्लभ साधन
③ साधनों का वैकल्पिक प्रयोग

① अनन्त मानवीय आवश्यकताएँ – मानव की आवश्यकताएँ असीमित होती और सभी आवश्यकताओं को पूरा नहीं किया जा सकता क्योंकि एक के पूरा होने के बाद दूसरी आवश्यकता उत्पन्न हो जाती है।

② सीमित या दुर्लभ साधन – इसका अर्थ यह है कि हमारे मांग की तुलना में पूर्ति की मात्रा कम है अर्थात हमारे पास जो साधन है उनसे हम अपनी सारे आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकते है।

③ साधनों का वैकल्पिक प्रयोग – इसका अर्थ यह है कि हमारे पास जो सीमित साधन है उनका प्रयोग एक से अधिक आवश्यकताओं को पूरा करने में किया जा सकता है।

उदाहरण : मान लिया एक छात्र के पास है हजार रुपये हैं यह रुपया छात्र के लिए साधन है इस रुपये को खर्च करने के लिए

छात्र के पास कई विकल्प हैं
जैसे - (क) पुस्तक खरीदना
(ख) पार्टी करना
(ग) नया कपड़ा खरीदना
(घ) पैसे को दान बचा सकता है
(ङ) वीडियो गेम खरीद सकता है इत्यादि

लेकिन छात्र इन सभी वस्तुओं को दो हजार से नहीं खरीद सकता क्योंकि यह सीमित साधन है तो इस छात्र को इस समय यह चयन करना होगा कि सबसे अधिक जरूरत की सामान क्या हो सकती है उसे वह खरीद सकता है और कुछ सामानों को त्यागना होगा।

इन सभी के कारण हमें एक महत्वपूर्ण समस्या उत्पन्न होती है वह है चुनाव की समस्या।
अर्थात् हमारे पास जितने साधन है उनसे हम सारी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकते है लेकिन हमें उन आवश्यकताओं में से किसी एक का या दो आवश्यकताओं का चुनाव करके हम उस समस्या का समाधान कर सकते हैं।

चुनाव की समस्या - मुख्यतः चुनाव की समस्या ही आर्थिक समस्या है जो एक अर्थव्यवस्था के समक्ष उत्पन्न होती है।

सीमित साधनों के वैकल्पिक उपयोग होने के कारण एक अर्थ-व्यवस्था को मुख्यतः निम्नलिखित तीन समस्याओं का चुनाव करना पड़ता है इन तीनों समस्याओं को अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्या कहते हैं।

इन समस्या से तीन प्रश्न उठते हैं।

(i) क्या उत्पादन किया जाए तथा कितनी मात्रा में किया जाए ?

(ii) उत्पादन कैसे किया जाए ?

(iii) उत्पादन किसके लिए किया जाए ?

(i) क्या उत्पादन किया जाए तथा कितनी मात्रा में किया जाए ?

यह अर्थव्यवस्था की पहली केन्द्रीय समस्या जिसका संबंध चयन की समस्या से है अर्थात् एक अर्थव्यवस्था को चयन करना पड़ता है कि कौन सी वस्तुओं (जैसे उपभोक्ता, उद्योग, आवश्यक, विलासिता, निजी या सार्वजनिक वस्तु) का उत्पादन किया जाए जिससे व्यक्तियों की अधिकतम आवश्यकताओं को संतुष्ट किया जा सके।

② उत्पादन कैसे किया जाए ?

किसी अर्थव्यवस्था की दूसरी समस्या उत्पादन तकनीकी चयन की समस्या होती है उत्पादन के लिए भिन्न तकनीकों में से किसी एक का चयन करना होता है।

(क) श्रम-प्रधान तकनीक : इस तकनीक में पूंजी के तुलना में श्रम का अधिक प्रयोग होता है।

(ख) पूंजी-प्रधान तकनीक : इस तकनीक में श्रम की तुलना में पूंजी का अधिक प्रयोग होता है।

③ उत्पादन किसके लिए किया जाए ?

यह वस्तुओं अथवा आय के वितरण की समस्या से उत्पादन का उद्देश्य लाभ कमाना होता है लेकिन किसी अर्थव्यवस्था को जन कल्याण का भी ध्यान रखना होता है।

—x—x—